

21. मृदा स्वास्थ्य प्रबन्ध में प्रमाणपत्र (Certificate in Soil Health Management)

Objective: वृहत् पैमाने पर सघन खेती करने के फलस्वरूप मिट्टी की उर्वरा-शक्ति का हास होने लगा है। कारण कि जिस अनुपात में पोषक तत्वों का प्रयोग करना चाहिए, उस अनुपात में उनका प्रयोग नहीं हो रहा है। इसमें कोई शक नहीं है कि उर्वरकों के उपयोग से हमारी पैदावार काफी बढ़ी है, परन्तु यदि हम अपनी मिट्टी की उर्वरता को सुरक्षित नहीं रखेंगे तो टिकाऊ खेती संभव नहीं है। अतः मृदा के स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है।

यह पाठ्यक्रम मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के प्रत्येक पहलू पर जरूरी जानकारी प्रदान करता है। इसके द्वारा छात्र मिट्टी प्रबंधन के वैज्ञानिक ज्ञान को आसानी से ग्रहण कर सकेंगे और कृषि में कार्यरत लोग लाभान्वित होंगे।

इस पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम योग्यता मैट्रिक पास है ।

पाठ्यक्रम संरचना:- इस पाठ्यक्रम में कुल तीन पत्र होंगे, जिनमें दो सैद्धांतिक (Theory) तथा एक प्रायोगिक (Practical) पत्र होगा। प्रत्येक पत्र 100 अंक का होगा। सभी सैद्धान्तिक पत्रों में 80 अंकों के लिये तीन घंटों की लिखित परीक्षा होगी एवं 20 अंकों के लिए सत्रीय कार्य जमा करना होगा। प्रायोगिक पत्र में 20 अंकों की लिखित परीक्षा होगी एवं 80 अंकों का प्रायोगिक कार्य (Practical Work) करना होगा। यह पाठ्यक्रम 6 माह का है।

Scheme of Examination - Students being admitted to this course must pass in each paper of the examination to pass the certificate course. To pass in each paper, a student must secure at least 33% of marks in each paper separately. To determine 33% of marks in each paper, the marks obtained by a student, both in term-end written examination and home assignment, shall be clubbed and counted together to determine the aforesaid percentage. However, if a candidate has secured Zero mark in the term-end written examination or home assignment examination in any paper, as the case may be, he/she will be deemed to have failed in that paper. Failure in one paper will mean failure in that part of the examination. Hence, students must strive hard to pass separately in each paper.

The term-end examination shall be held at the end of the academic session and, as said, it will be compulsory to pass in each paper of the examination before a student is declared to have passed his/her certificate course.

This course is divided into 3 papers; each carrying 100 marks. The distribution of marks between written examination assignment and practical work will be as follows:

Paper	Title of the paper	Distribution of Marks between Theory and Assignment			Minimum Marks required to pass the examination (written exam. + practical/ Assignment)
		Written exam	Assignment	Practical	
1.	Fundamentals of Soil Science	80	20		33
2.	(A) Management of degraded soils (B) Soil Fertility and Fertilizers	80	20		33
3.	Practicals	20		80	33
	Total	180	40	80	99